MALAVIYA MISSION TEACHER TRAINING CENTRE
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR

Organized

ONLINE REFRESHER COURSE IN HUMANITIES

MARCH – 05 TO 20, 2024

REPORT

Theme of Course/Program:	Online Refresher Course in Humanities
Name of Course Coordinator:	Prof. Shail Sharma, Professor, S.o.S. in Literature & Languages, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
Name of Course Coordinator from HRDC:	Dr. Brijendra Pandey Assistant Professor Malaviya Mission Teacher Training Centre, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
Date of Course/Program:	05.03.2024 to 20.03.2024
Number of Participants:	31
State wise number of participants:	State(09)- Chhattisgarh-20, Maharashtra-02, Bihar-01, , Madhya Pradesh-01, Karnataka-01 Delhi-01, West Bengal-02, Uttarakhand-02, Odisha-01
Gender wise number of participants:	Male – 09, Female – 22
Number of Resource Persons	33
Name and Signature of Course Coordinator	
Online Platform	
Google Meet	

Organizing Team

Prof. Sachchidanand Shukla
Vice-Chancellor Pt. RSU, Raipur (C.G.)

Prof. Preeti K. Suresh
Director
MMTTC, Pt. RSU, Raipur (C.G.)

Prof. Shail Sharma
S.o.S. in Literature & Languages, Pt. RSU, Raipur (C.G.)

Dr. Brijendra Pandey
Assistant Professor, MMTTC, Pt. RSU, Raipur, (C.G.)

Refresher Course in Humanities

(05.03.2024 - 20.03.2024)

Detail of date wise organized program

Refresher course in Humanities was scheduled from 05th to 20th March 2024 on Online mode. The theme of the refresher course was Humanities. In all there were 48 sessions including inaugural and valedictory functions, 6 Sessions were scheduled for micro teaching, project evaluation and seminars, 2 sessions for each respective activity from participants in all 40 lectures were organized on three broad themes of Humanities they were Understanding Humanities at Individual and organizational level.

Day 1
05.03.2024

Session I (10.30-12.00) Inaugural Function

ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई, जिसका संचालन और मेजबानी एम.एम.टी.सी के डॉ. बृजेंद्र पांडे ने की। इस कार्यक्रम में निदेशक, एम.एम.टी. सी, प्रो. प्रीति के. सुरेश प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, माननीय कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर प्रोफेसर शैल शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भाषाविज्ञान विभाग ,प्रोफेसर अजय शुक्ला अंग्रेजी दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर उद्घाटन सत्र के दौरान सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने सत्र के विषय भाषा और साहित्य: 21वीं सदी में चुनौतियाँ पर अपनी समझ व्यक्त की। माननीय कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने भारतीय भाषाओं की विविधता और समृद्धि के महत्व पर जोर दिया।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –05.03.2024

समय –12:15 से 01:45

सत्र – द्वितीय

विषय – भाषा की विविधता की समस्या और चुनौतियॉ

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रो. के.एल. वर्मा, माननीय पूर्व कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय. रायपुर

रिपोर्टर –

दूसरा व्याख्यान प्रो. के.एल. वर्मा, माननीय पूर्व कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया। उन्होंने भाषा नीति पर बात की और बताया कि भारतीय भाषाओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें कैसे शामिल और मानकीकृत किया जा सकता है। भाषा मानकीकरण की पक्रिया पर बात की साथ ही इसकी आवश्यकता एवं महत्व को रेखांकित किया।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –05.03.2024

समय –02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय – भाषा साहित्य और संस्कृति

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रोफेसर चित्तरंजन कर, सेवानिवृत्त भाषा और साहित्य प्रो. एसओएस, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

रिपोर्टर –

तीसरा व्याख्यान प्रोफेसर चित्तरंजन कर, सेवानिवृत्त भाषा और साहित्य प्रो. एसओएस, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने दिया । प्रो. कर ने वक्तव्य में कहा कि हिंदी भाषा की विविधता, प्रथम भाषा के महत्व और प्रथम भाषा को कैसे बढ़ावा दिया जाए इस पर बात की जानी चाहिए क्योंकि आज समय की मांग है कि इन बातों पर व्यापक चर्चा हो। उन्होंने हिंदी व्याकरण की बारीकियों पर भी बात की। एवं भाषा के लिए इसकी उपयोगिता को रेखांकित किया।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –05.03.2024

समय –04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय – व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए स्वस्थ शरीर और दिमाग का महत्व

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रो. राजीव चौधरी, प्रोफेसर, एसओएस शारीरिक शिक्षा पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

रिपोर्टर –

प्रो. राजीव चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए स्वस्थ शरीर और मष्तिष्क दोनो का समान महत्व है। साथ हि स्वस्थ मष्तिस्क के विकास के लिए स्वस्थ शरीर के विकास पर बल दिया। उन्होने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य को बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती है क्योंकि वातावरण दिन प्रतिदिन प्रदुषित होते जा रहा है।

Day 2
06.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –06.03.2024

समय –10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय – साहित्य में मानव मूल्य

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – श्री गिरीश पंकज पत्रकार सद्भावना दर्पण रायपुर

रिपोर्टर –

श्री गिरीश पंकज पत्रकार सद्भावना दर्पण रायपुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि संसार में असंख्य पदार्थ हैं, विषय हैं, भिन्न – भिन्न रुचिवाला व्यक्ति अपनी–अपनी अभिरुचि के अनुसार अपने जीवन की सुगमता के लिए साधन जुटाता है। मानव–मूल्य में व्यक्तिगत मूल्य इन्द्रीय बोध से संबंधित और भावात्मक होते हैं जो व्यक्ति विशेष तक सीमित रहते हैं। सामाजिक मूल्यों में रूढ़ियाँ, सामाजिक स्थितियाँ, सामाजिक परंपराएँ, उत्सव आदि आते हैं जिनका उल्लेख साहित्य में व्यापक स्तर पर होता है।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –06.03.2024

समय – 12:15 से 01:45

सत्र – द्वितीय

विषय –हिंदी नवजागरण और माधवराव सप्रे का योगदान

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ.शुशील त्रिवेदी भूतपूर्व आई.ए.एस

रिपोर्टर –

डॉ.शुशील ने बताया कि पंडित माधव राव सप्रे हिंदी नवजागरण के पुरोधा पत्रकार, साहित्यकार और राष्ट्रचिंतक थे। मध्य भारत में पत्रकारिता के जनक पंडित माधव राव सप्रे ने सन् 1900 ई. में छत्तीसगढ़ में प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना बिलासपुर के छोटे से गांव पेन्ड्रा में किया। निष्काम कर्मयोगी पं. माधवराव सप्रे की जन्मभूमि, दमोह के पथरिया में 19 जून 1871 में हुआ था। इनके योगदान के कारण भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर आजादी के 75 वर्ष उत्सव की श्रृंखला में माधवराव सप्रे सार्द्ध शती कार्यक्रम भोपाल, दिल्ली, पेण्ड्रा, रायपुर, नागपुर और जबलपुर में आयोजन किया जा रहे हैं।

Session III (14:15 to 15:45)

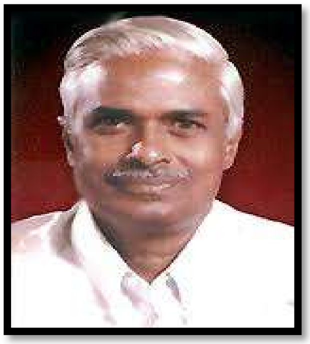

दिनॉक –06.03.2024

समय –02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय – भाषा साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंध

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ.श्रीराम परिहार प्रो. हिन्दी विभाग खंड्वा म.प्र

रिपोर्टर –

डॉ.श्रीराम परिहार ने बताया कि जब समाज प्रगति करता है और स्वस्थ जीवन– मूल्यों की स्थापना समाज में होने लगती है, तो समाज में सौहार्द्र और आपसी तालमेल बढ़ जाता है। तब समाज एकजुटता और परस्पर सहयोग के बंधनों में बंध जाता है। यही वह समय होता है,जब व्यक्ति अपने आप से हट कर दूसरों के हित की भावना से भर जाता है। व्यक्ति जब भावनाओं के सागर में डूब जाता है, तब उस के ह्रदय से कविता अर्थात साहित्य जन्म लेता है। यह साहित्य ही समाज को परस्पर सौहार्द्र और अपनत्व से जोड़ता है।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –06.03.2024

समय –04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय – साहित्य और सिनेमा

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –श्री अशोक मिश्रा फिल्म लेखक नई दिल्ली

रिपोर्टर –

श्री अशोक मिश्रा ने अपने वक्तव्य में बताया कि साहित्य पाठ का माध्यम है, जबकि सिनेमा दृश्य–विधान पर चलता है। इन दोनों की आवश्यकताएँ और तकनीकियाँ भिन्न हैं, जिसे उससे जुड़ा व्यक्ति ही ठीक ढंग से समझ सकता है। ख्वाजा अहमद अब्बास बड़े लेखक थे, लेकिन अपने लिखे पर उन्होंने जो भी फिल्में बनाईं वे अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर सकीं जबकि उनके ही लिखे पर राजकपूर ने जो फिल्में बनाईं उन्होंने कामयाबी के झंडे गाड़ दिए। वर्तमान दौर की बात करें तो यह देखना सुखद है कि हिंदी के तमाम युवा लेखक सिनेमा की तरफ बढ़ रहे हैं।

Day 3
07.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –07–03–2024

समय – 10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय – भारतीय लोक साहित्य की प्रकृति एवं अनुसंधान की समस्या

चेयर पर्सन –डॉ. संदीप कुमार सिंह

रिसोर्स पर्सन – डॉ.शंकर मुनि राय विभागाध्यक्ष दिग्विजय महाविद्यालय राजनॉदगॉव

डॉ.शंकर मुनि राय ने वक्तव्य में कहा कि भारत में लोक साहित्य पर शोध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक गतिशीलता को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि मातृभाषा में शिक्षण से समझ और संचार कौशल बढ़ता है, अवधारणाओं की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है। व्यावहारिक और कौशल–आधारित शिक्षा व्यक्तियों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव सहयोग, ज्ञान, आदान–प्रदान और सतत विकास को बढ़ावा देता है।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –07–03–2024

समय – 12:15 से 01:30

सत्र – द्वितीय

विषय – जनजातीय भाषा

चेयर पर्सन – डॉ. संदीप कुमार सिंह

रिसोर्स पर्सन – प्रो. अशोक प्रधान एस ओ एस एंथ्रोपलाजी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर

रिपोर्टर –

प्रोफेसर अशोक प्रधान, ने अपने वक्तव्य में जनकालीन भाषा (जनकालीन भाषा) विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि जनजातीय भाषाओं में अनुसंधान सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करता है, सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है और भाषाई विविधता को बढ़ाता है, जिससे भारत में शैक्षणिक और स्वदेशी समुदाय दोनों को लाभ होता है। उन्होंने प्रतिभागियों को आईसीएसएसआर के छोटे–बड़े प्रोजेक्ट में शामिल होने की सलाह दी।

Session III (14:15 to 15:45) & Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –07–03–2024

समय – 02:15 से 05:30

सत्र – तृतीय एवं चतुर्थ

विषय –सूक्ष्म शिक्षण

चेयर पर्सन – डॉ. संदीप कुमार सिंह

रिसोर्स पर्सन – डॉ.बृजेन्द्र पांडेय मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग.

रिपोर्टर –श्री नटराज गुप्ता

इस सत्र में रिसोर्स पर्सन द्वारा सभी प्रतिभागियों को सूक्ष्म शिक्षण का टॉपिक दिया गया था जिसमें सभी प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त टॉपिक पर सूक्ष्म शिक्षण प्रस्तुत किया गया जिसका मूल्यॉकन रिसोर्स पर्सन द्वारा किया गया एवं बीच –बीच में आवश्यकतानुसार सुझाव भी प्रतिभागियों को दिया गया। अंत में सभी को प्रतिपुस्टि भी प्रदान किया गया। उक्त शिक्षण का कार्य बारी –बारी से व्यवस्थित रूप से प्रतिभागियों द्वारा किया गया ।

Day 4
11.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –11.03.2024
समय –10:30 से 12:00
सत्र – प्रथम
विषय – साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों का विकास
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन –डॉ. जया तिवारी प्रो.शा.कन्या,डिग्री,कालेज रायपुर
रिपोर्टर –

डॉ. जया तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा हमारा साहित्य भले वो किसी भी भाषा में हो उसमें मूल्यों के दर्शन होते है। साहित्य और मूल्यों का अटूट रिष्ता है। साहित्य में प्राचीन काल से ही मूल्यों का विवरण हम देखते है। प्राचीन काल के साहित्य में हमें आदर्शोन्मुखी गुण वर्णन दिखाई देता है। इन रुपों द्वारा आदर्श व्यक्तित्व में धैर्य, नीति, बुध्दि, वाक्चतुरता आदी 'शाश्वत' मूल्य दर्शाये गये है। मूल्यों का हमेशा आदर होना चाहिए, मूल्यों की रक्षा करणा ही मनुष्यता का मुख्य धर्म है। इस प्रकार हम संक्षेप में उपन्यास विधा और कहानी विधा या कविता में व्यक्त मूल्यों को देखते हैं।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –11.03.2024
समय – 12:15 से 01:30
सत्र – द्वितीय
विषय – नाटकों का इतिहास
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन –श्री आलोक चटर्जी चेयरमेन राष्ट्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली

श्री आलोक चटर्जी ने अपने वक्तव्य में कहा हिन्दी साहित्य में नाटक का विकास आधुनिक युग में ही हुआ है। इससे पूर्व हिन्दी के जो नाटक मिलते हैं, वे या तो नाटकीय काव्य हैं अथवा संस्कृत के अनुवाद मात्र या नाम के ही नाटक हैं, क्योंकि उनमें नाट्यकला के तत्वों का सर्वथा अभाव है, रीवां नरेश विश्वनाथ सिंह का 'आनन्द रघुनन्दन' नाटक हिन्दी का प्रथम मौलिक नाटक माना जाता है। नाटक के इतिहास को निम्न भागों में बॉट सकते हैं। भारतेन्दुयुगीन नाटक : 1850 से 1900 ई., द्विवेदी युगीन नाटक : 1901 से 1920 ई.,प्रसाद युगीन नाटक : 1921 से 1936 ई., प्रसादोत्तर युगीन नाटक : 1937 से अब तक

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –11.03.2024

समय – 02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय – भाषा साहित्य और संस्कृति एक अवलोकन

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ.दिलीप सिंह प्रो.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय अमरकंटक म.प्र.

डॉ.दिलीप सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि साहित्य का प्रस्फुटन निर्धारिणी उन्मुक्त प्रेरणा के तुल्य है, किन्तु साहित्य की अभिवृद्धि लक्ष्योन्मुख वाण की प्रगति है। किसी–किसी युग में सामाजिक परिस्थितियाँ प्रतिभावान मनीषियों के चिन्तन और अभिव्यक्ति के लिए केवल पृष्ठभूमि का काम देती हैं, तब साहित्य की अभिवृद्धि आप ही हो जाती है। किन्तु आज के युग में साहित्य समृद्धि के लिए वैयक्तिक प्रतिभा ही नहीं सामूहिक प्रयास भी अपेक्षित है। हिन्दी साहित्य के ऊषा काल में भी सामाजिक परिस्थितियाँ ऐसी ही विषम थीं।

Session IV (16:00 to 17:30)

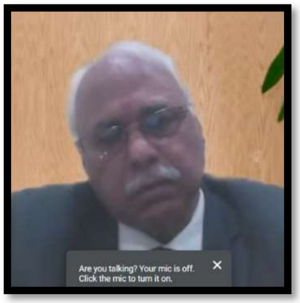

दिनॉक –11.03.2024

समय – 04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय – भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संचार

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ. जे.सी आजवानी भूतपूर्व प्रोफेसर

रिपोर्टर –

डॉ. जे.सी आजवानी ने अपने वक्तव्य में कहा 1990 में, मनोवैज्ञानिक जॉन मेयर, पीएच.डी., और पीटर सलोवी, पीएच.डी. ने शोध प्रकाशित किया जिसमें दिखाया गया कि आईक्यू किसी व्यक्ति की समग्र बुद्धि को समझने के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने आईक्यू को ‘‘किसी की भावनाओं के बारे में जागरूक होने, नियंत्रित करने और व्यक्त करने की क्षमता, और पारस्परिक संचार को बुद्धिमानी और सहानुभूतिपूर्वक संभालने की क्षमता’’ के रूप में परिभाषित किया। इसलिए, मजबूत भावनात्मक बुद्धि वाला व्यक्ति न केवल अपनी भावनाओं को समझता और प्रबंधित करता है, बल्कि वे दूसरों की भावनाओं को भी पहचानते हैं और व्यवहार और निर्णय लेने को निर्देशित करने के लिए उस क्षमता का उपयोग करते हैं।

Day 5
12.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –12.03.2024
समय – 10:30 से 12:00
सत्र –प्रथम
विषय – व्यतिरेकी भाषा अध्ययन
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन –डॉ.पूरन लाल अहिरवाल केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा

डॉ.पूरन लाल अहिरवाल ने अपने वक्तव्य में कहा व्यतिरेकी भाषाविज्ञान का इतिहास बहुत ही अल्प समय का है, केवल पच्चीस–तीस वर्ष का। व्यतिरेकी भाषाविज्ञान को एक व्यवस्थित शाखा के रूप में विकसित कराने का श्रेय दो अमरीकी भाषाविज्ञानियों को जाता है। वे हैं – चार्ल्स सी फ्रीज और राबर्ट लेडो। सन् 1957 में इन्हीं दिनों अन्य भाषाओं को सिखाते हुए भाषाविज्ञानियों ने महसूस किया कि अन्य भाषा सीखने वाला कुछ ऐसी भाषा बोलता या लिखता है जो सीखी जाने वाली भाषा के अनुरुप नहीं होती। इसके दो कारण हो सकते हैं : या तो उसने उस भाषा के नियमों को गलत तरीके से सीखा है या अभी उसने उन नियमों पर दक्षता हासिल नहीं की है।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –12.03.2024
समय – 12:15 से 01:30
सत्र – द्वितीय
विषय – भाषा संकटग्रस्तता समस्याएँ और समाधान
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन – डॉ.कविता रस्तोगी प्रो. भाषा विज्ञान लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ

रिपोर्टर –

डॉ.कविता रस्तोगी ने अपने वक्तव्य में कहा हिन्दुस्तान एक ऐसा बहुभाषा–भाषी देश है, जिसकी भाषा समस्या काफी उलझ गई है। बहुभाषाभाषी देशों में भाषा की समस्या प्रायः संकुल और उलझी रहती है। रूस, स्विट्जरलैंड आदि अनेक देशों ने अपनी उलझी हुई भाषा समस्या का समाधान बहुत ही खूबी के साथ कर लिया है। जिस देश में 367 मातृ भाषाएँ हैं और जिस देश में लगभग 58 भाषाएँ विद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम की भाषा के रूप में स्वीकृत हैं, उस देश को एक बलवती राष्ट्रभाषा की प्राप्ति के लिए कई प्रकार की संकीर्णताओं, आंचलिक पूर्वाग्रहों तथा भावुकता के उदेकों से ऊपर उठना होगा।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –12.03.2024
समय –02:15 से 03:45
सत्र – तृतीय
विषय –साहित्य में मानवीय मूल्य

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ. अवधेश कुमार शुक्ल प्रो.महात्मा गॉधी अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा

रिपोर्टर –

डॉ.अवधेश कुमार शुक्ल ने अपने वक्तव्य में कहा पाश्चात्य चिन्तक 'प्यू' ने मूल्यों को समय, आवश्यकता और स्थिति के अनुसार श्रेष्ठ या गौण माना है और मानव के निर्णय, व्यवहार और बौद्धिक विकास को मूल माना है । जिनमें निम्न है (क) स्वनिष्ठ मूल्य अथवा शारीरिक मूल्य। (ख) सामाजिक मूल्य । (ग) बौद्धिक मूल्य । भारतीय और पाश्चात्य विचारकों का अध्ययन एवं मनन कर हिन्दी में डॉ. धर्मवीर भारती ने नवीन मूल्यों में मानव–स्वतंत्रता की चरम सत्ता मानते हुए मूल्यों में परिवर्तनशीलता को रेखांकित किया है, जबकि डॉ. गोविन्दचंद्र पांडे ने मूल्यों की उपयोगिता, आदर्श और नीति के आधार पर समझने का प्रयत्न किया है। डॉ. रमेश कुंतल मेघ ने कबीलाई मूल्यों के साथ मार्क्सवादी चिंतन को ग्रहण कर सौंदर्य–बोधात्मक मूल्यों को श्रेष्ठ माना है।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –12.03.2024
समय – 04:00 से 05:30
सत्र – चतुर्थ
विषय –हिंदी की वैश्विक दुनिया और साहित्य संस्कृति
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन –डॉ.सुधीर शर्मा विभागाध्यक्ष कल्याण कालेज भिलाई

वैश्विक फलक पर हिंदी तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त कर चुकी है। हिंदी के वैश्विक स्तर पर स्थापित होने के पीछे इसमें रचित उत्तम साहित्य का बड़ा योगदान रहा है। अनुवाद की बढ़ती गुणवत्ता से हिंदी की स्थिति और बेहतर होती जा रही है। हिंदी साहित्य को वैश्विक साहित्य की कोटि में पहुँचाते हुए प्रवासी भारतीय अपने साथ अपनी भाषा, संस्कृति आचार–विचारों को भी लेकर गए और अपनी भाषा में ही साहित्य रचना कर इसे और समृद्ध बनाया है। 'रामचरितमानस' की लोकप्रियता विश्वभर में फैली हुई है। दुनिया में तीन सौ से ज्यादा टेक्स्ट मौजूद हैं।

Day 6
13.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक 13–03–2024
समय –10:30 से 12:00
सत्र – प्रथम
विषय – शिक्षण और सिखने के लिए ई संसाधन
चेयर पर्सन – डॉ. सुभ्रा तिवारी
रिसोर्स पर्सन – डॉ. सुपर्णसेन गुप्ता
रिपोर्टर – डॉ. निधि मिश्रा

इस व्याख्यान में डॉ. सुपर्णासेन गुप्ता ने शिक्षण और सीखने के लिए विभिन्न शिक्षण संसाधनों के बारे में बताया। उन्होंने नवीनतम ई संसाधनों के साथ–साथ पहले से मौजूद ई संसाधनों के बारे में भी बताया। प्रतिभागियों को ई–पाठशाला के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें शोध उद्देश्यों के लिए शोध गंगा और शोध सिंधु के बारे में भी बताया गया। डॉ. गुप्ता ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और इसे एक्सेस करने के तरीके के बारे में भी विस्तार से बताया।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक 13–03–2024

समय –12:15 से 01:30
सत्र – द्वितीय
विषय – साहित्यिक चोरी का ज्ञान, पहचान और सावधानी
चेयर पर्सन – डॉ. सुभ्रा तिवारी
रिसोर्स पर्सन – डॉ. सुपर्णसेन गुप्ता
रिपोर्टर – डॉ. निधि मिश्रा

इस व्याख्यान में डॉ. सुपर्णा सेन गुप्ता ने बताया कि शोध कदाचार, मिथ्याकरण और मनगढ़ंत बातें क्या हैं। कौन से कारक साहित्यिक चोरी का कारण बन सकते हैं. उन्होंने साहित्यिक चोरी के दुष्परिणामों पर भी चर्चा की। प्रतिभागियों को शोधशुद्धि और अन्य साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरणों के बारे में बताया गया। उन्होंने प्रशस्ति पत्र और उसके विभिन्न स्वरूपों के बारे में भी जानकारी दी।

Session III (14:15 to 15:45) & Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक 13–03–2024

समय –02:00 से 05:30

सत्र – तृतीय एवं चतुर्थ

विषय – सेमीनार प्रस्तुतिकरण

चेयर पर्सन – डॉ. बृजेन्द्र पांडेय

रिसोर्स पर्सन –

रिपोर्टर – डॉ. निधि मिश्रा

इस सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी को अलग– अलग विषय पर सेमीनार टॉपिक दिया गया था जिसकी तैयारी करके निर्धारित समय अवधि में संबंधित विषय पर सेमीनार प्रस्तुतिकरण करना था जिसमें सभी प्रतिभागियों के द्वारा क्रमशः सेमीनार प्रस्तुति की गई जिसका मूल्यांकन सत्र के अवलोकन कर्ता डॉ. बृजेन्द्र पांडेय द्वारा किया गया अंत में समस्त प्रतिभागियों को आवश्यक सूझाव दिया गया।

Day 7
14.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक 14–03–2024

समय –10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय – लोक साहित्य और संस्कृति में अनुशंधान की संभावनाएॅ

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा

रिपोर्टर –

प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने लोक साहित्य संस्कृति'' और अनुसंधान की संभावना पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इन्होनें लोक साहित्य लोकभाषा, और लोक संस्कृति पर व्यापक शोध एवं अनुसंधान करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होने शोध एवं अनुसंधान की विभिन्न प्रकारों, पद्धतियों के बारे में बताया। उन्होनें विशेष रूप से जनजाति संस्कृति की विविधता पर विशेष शोध की आवश्यकता बताई।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक 14–03–2024

समय –12:15 से 01:30

सत्र – द्वितीय

विषय – समकालीन स्त्री उपन्यासकारों के उपन्यास में सामाजिक यर्थाथ

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रो. अरूण होता

रिपोर्टर –

प्रो. अरूण होता सर का वक्तव्य बिन्दु था हिन्दी के नारी उपन्यास कारों में स्त्री विमर्श का सामाजिक यथार्थ। इस विषय पर व्याख्यान देते हुए इन्होने बताया ही समकालीन स्त्री साहित्यकारों ने न केवलल स्त्री विमर्श पर बात की है। उन्होने ममता कालिया, कृष्णा सोबती, चित्रा मुद्‌गल अलका सरायगी के रचनाओं से उदाहरण लेते हुए बताया कि केवल स्त्री विमर्श कहकर हम उनके रचना की व्यापकता संकुचित कर देतें है।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक 14–03–2024

समय –02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय – वैश्विक परिदृष्य में हिंदी

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय

रिपोर्टर –

डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय ने 'वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी पर बात की। उन्होने किसी भी भाषा के वैश्विक बनने के लिए क्या योग्यता हो सकती है. उसे बताया गया। हिन्दी में बड़ी संख्या में बोलने वाले है साहित्य लेखन की लम्बी परम्परा है विशाल शब्द संख्या है। अतः हिन्दी वैश्विक भाषा बनने में पूर्ण रूप से समर्थ है।

Session IV (16:00 to 17:30)

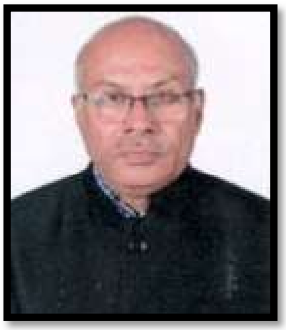

दिनॉक 14–03–2024

समय –04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय –विश्व पटल पर विभिन्न साहित्यिक धाराओं का प्रभाव

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – डॉ. अनिल कुमार पालिवाल

रिपोर्टर –

डॉ ए.के. पालीवाल ने पूरे विश्व साहित्य को ध्यान में रखते हुए वैश्विक साहित्य पटल पर लेखन, वाचन और प्रकाशन पर विस्तार से अपनी बात रखी उन्होने किसी भी रचना को केवल आलोचना की दृष्टि से न देखकर पूरे विश्व साहित्य को ध्यान में रखते हुए रचनात्मकता एवं सकारात्मकता पर ध्यान देने की बात की। साथ ही भाषाई मिश्रण का मामला उपयोगी है या नहीं इसका साहित्य और समाज पर क्या प्रभाय पड़ रहा है उस पर ध्यान देने की बात कही ।

Day 8
15.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –15.03.2024

समय –10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय –

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ. अशोक थ्रोट प्रो.इंग्लिश यूनिवर्सिटी ऑफ पूणे महाराष्ट्र

रिपोर्टर –

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –15.03.2024

समय – 12:15 से 01:30

सत्र – द्वितीय

विषय –भारतीय कविता की परंपरा और हिंदी कविता

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ.दिनेश कुशवाहा प्रो.विभागाध्यक्ष ए.पी.एस यूनीवर्सिटी रीवा म.प्र

रिपोर्टर –

हिंदी साहित्य का आरंभ सन् 1000 ई0 से माना जाता है। भाषा, समाज, संस्कृति और साहित्य के बदलाव की कोई निश्चित तारीख नहीं होती। ये परिवर्तन धीरे–धीरे होते हैं। हिंदी कविता की विकास यात्रा प्रारंभ हुई 1000 ईसवी से। कविता का इतिहास बहुत पुराना है – जैसे–जैसे समाज बदला, सामाजिक परिस्थितियाँ बदलीं, वैसे–वैसे कविता की भाषा और स्व:प भी बदलता गया। यह हमारे लिए गर्व का विषय हैं कि आदिकाल से प्रारंभ होकर भक्तिकाल, क्रमशः आगे बढ़ते हुए रीतिकाल तथा उसके पश्चात आधुनिक काल की ओर कविता अपने पूर्ण आवेग में निरंतर परिष्कृत होते हुए आगे बढ़ते गयी।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –15.03.2024

समय – 02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय –प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –प्रो.शैल शर्मा

रिपोर्टर –

इस सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी को अलग– अलग विषय पर प्रोजेक्ट टॉपिक दिया गया था जिसकी तैयारी करके निर्धारित समय अवधि में संबंधित विषय पर प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण करना था जिसमें सभी प्रतिभागियों के द्वारा क्रमशः प्रोजेक्ट प्रस्तुति की गई जिसका मूल्यांकन सत्र के अवलोकन कर्ता डॉ. बृजेन्द्र पांडेय द्वारा किया गया अंत में समस्त प्रतिभागियों को आवश्यक सूझाव एवं प्रतिपुष्टि दिया गया।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –15.03.2024

समय – 04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय – प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन – प्रो.शैल शर्मा

रिपोर्टर –

इस सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी को अलग– अलग विषय पर प्रोजेक्ट टॉपिक दिया गया था जिसकी तैयारी करके निर्धारित समय अवधि में संबंधित विषय पर प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण करना था जिसमें सभी प्रतिभागियों के द्वारा क्रमशः प्रोजेक्ट प्रस्तुति की गई जिसका मूल्यांकन सत्र के अवलोकन कर्ता डॉ. बृजेन्द्र पांडेय द्वारा किया गया अंत में समस्त प्रतिभागियों को आवश्यक सूझाव एवं प्रतिपुष्टि दिया गया।

Day 9
16.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक –16.03.2024

समय –10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय – नाटकों का इतिहास

चेयर पर्सन – डॉ. दीप्ति गोस्वामी

रिसोर्स पर्सन – श्री अलोक चटर्जी

रिपोर्टर – पुरुषोत्तम काबरा

प्रथम सत्र में श्री अलोक चटर्जी सर द्वारा नाट्य परंपरा के विकास पर पाषाण काल से लेकर, ग्रीक नाटक, रोमन नाटक, संस्कृत नाटक से लेकर आधुनिक नाटक तक के विकास को विस्तारपूर्वक बताया। भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में वर्णित रंगमंच के विषय में विस्तार से बताते हुए संस्कृत के नाटककर अश्वघोष, कालिदास, राजा महेन्द्रवर्मन, शूद्रक द्वारा रचित नाटकों एवं उनके कथा प्रसंग के विषय में संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने संस्कृत के अंतिम नाटक कार भवभूति के नाटकों के वर्णित कहानी को बताया। 12वी शदी के पश्चात् लोक नाट्य के विकास को बताते हुए आधुनिक काल के पाश्चात्य नाटकों एवं हिंदी नाटक कारों के रचनाओं के विषय में सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –16.03.2024

समय –12:15 से 01:30

सत्र – द्वितीय

विषय –छत्तीसगढ़ का प्राचीन भूगोल

चेयर पर्सन – डॉ. दीप्ति गोस्वामी

रिसोर्स पर्सन – श्रीमती दिनेश नंदिनी परिहार

रिपोर्टर – पुरुषोत्तम काबरा

द्वितीय सत्र में रिसोर्स पर्सन श्रीमती दिनेश नंदिनी परिहार ने छ. ग. के संस्कृति विविध आयाम ऐतिहासिक संदर्भ में विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति मानव कल्याण एवं सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय कि भावना से युक्त है और ये संस्कृति मानव में उसी तरह मिली हुई है जैसे पुष्प में सुगंध,। परिहार मैडम ने छ. ग. के प्राचीन भौगोलिक स्वरूप का वर्णन करते हुए इसके इतिहास कि अनुश्रुतजन्य इतिहास, सम्राज्यवादी शासकों के शासनकाल एवं स्थानीय राजवंशो का के उदय और उनका छत्तीसगढ़ के धर्म दर्शन, कला स्थापत्य, मूर्ति कला पर प्रभाव के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –16.03.2024

समय – 02:15 से 03:45

सत्र – तृतीय

विषय – नैक मूल्यांकन

चेयर पर्सन – डॉ. दीप्ति गोस्वामी

रिसोर्स पर्सन – डॉ. आरती परगनिया

रिपोर्टर – पुरुषोत्तम काबरा

तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में डॉ. आरती परगनिया, मैडम में नैक मूल्यांकन की अनिवार्यता एवं महत्व को बताते हुए उसकी तैयारी के समस्त चरणों: रजिस्ट्रेशन, आई ,आई, क्यू ,ए । सबमिशन,एस,एस,आर सबमिशन आदि के विषयए जानकारी देते हुए । नैक मूल्यांकन के सभी 7 क्राइटेरिया के विषय में विस्तार से बताया एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों उत्तर दिया. आज के चेयर पर्सन डॉ दीप्ति गोस्वामी ने प्रत्येक सत्र की समाप्ति पर सभी रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया. इस प्रकार रिफ्रेसर कोर्स का नवम दिवस अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –16.03.2024
समय – 04:00 से 05:30
सत्र – चतुर्थ
विषय – नैक मूल्यांकन
चेयर पर्सन – डॉ. दीप्ति गोस्वामी
रिसोर्स पर्सन – डॉ. आरती परगनिया
रिपोर्टर – पुरुषोत्तम काबरा

यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जो मान्यता के हिस्से के रूप में ग्रेडिंग के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और प्रमाणन करता है। एक बहुस्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से कोई उच्च शिक्षा संस्थान यह जान सकता है कि क्या वह पाठ्यक्रम, संकाय, बुनियादी ढॉचे, अनुसंधान और अन्य मापदंडों के संदर्भ में मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को पूरा करता है। आवेदक संस्था के लिये पहला कदम मात्रात्मक और गुणात्मक मेट्रिक्स से संबंधित जानकारी की एक स्व–अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करना है। फिर डेटा को विशेषज्ञ टीमों द्वारा मान्य किया जाता है, इसके बाद पीयर टीम संस्थानों का दौरा करती है। जॉच उपरॉत ग्रेड प्रदान करती है।

Day 10
18.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक 18.03.2024

समय –10:30 से 12:00
सत्र – प्रथम
विषय – भक्ति काल एवं भक्ति काव्य
चेयर पर्सन – डॉ. नम्रता माहेश्वरी
रिसोर्स पर्सन – डॉ. नंदकिशोर पांडे प्रो.हिंदी राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर
रिपोर्टर – डॉ. गीता तलवार

प्रथम सत्र –रिसोर्स पर्सन डॉ. नंदकिशोर पांडे भक्ति का उद्भव विकास को लेकर बात किए। हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्ति काल को स्वर्णिम युग माना गया है। भक्ति आंदोलन का आरंभ दक्षिण संतों द्वारा प्रारंभ होकर उत्तर भारत में विष्णु के अवतारों का प्रचार प्रसार हुआ। कबीर तुलसी जैसी और हिंदी साहित्य की भक्ति काल सामाजिक समरसता का समर्थक बने, इस प्रकार विभिन्न संतों का परिचय देते हुए संत तुकाराम, बसवन्ना, अक्का महादेवी, कनक दास, तुकाराम संत भानुदास, संत एकनाथ, संत इन सभी संतो की प्रतिभा और भक्ति काल के अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं को बहुत ही सुंदर और सरल रूप से सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक 18.03.2024

समय –12:15 से 01:30
सत्र – द्वितीय
विषय – लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन – प्रोफेसर राजन यादव प्रो.विभागाध्यक्ष हिंदी इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़

रिपोर्टर –

द्वितीय सत्र–में रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर राजेंद्र यादव जी लोक साहित्य में लोक गीतों का अनुभूति को दर्शाया गया। मधुर ध्वनि से लोकगीतों को अनावरण किए। लोकगीतों में किसी जनपद के लोगों का रहन–सहन रीति रिवाज आचार्य व्यवहार सहज रूप में चित्रित रहता है गऊरा गीत, सुआ गीत, छत्तीसगढ़ का डंडा गीत। लोकगीत लोगों के एक विशेष समूह संस्कृति या उप संस्कृत द्वारा सजा की गई अभिव्यंजक संस्कृति का निकाय है । लोकगीत साहित्य के प्रमुख विधाओं में सर्वोपरि लोकगीत लोक के गीत में जिन्हें कोई एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा लोक समय लोक समाज अपनाता है लोक साहित्य की संस्कार गीत सोहर गीत भावगीत श्रम गीत साथ में साहित्य और नाथ साहित्य की आदि जानकारी दी।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक 18.03.2024

समय – 02:15 से 03:45
सत्र – तृतीय
विषय –संस्कृत और हिंदी साहित्य का स्वरूप
चेयर पर्सन –
रिसोर्स पर्सन – डॉ. रमाकांत पांडे प्रो .राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल

तृतीय सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ रमाकांत पांडे जी ने बताया कि संस्कृत और वैदिक भाषा एक दूसरे से पर्याप्त भिन्नता रखती हैं। यह एक निश्चित सिद्धांत है कि बोलचाल की भाषा और साहित्य–रचना की भाषा एक दूसरे से बहुत भिन्नता रखती हैं। जिस युग में वेद साहित्य की रचना हुई, उस युग में साहित्यिक अनुष्ठान की भाषा वैदिक भाषा थी और बोलचाल की थोड़ी उससे कम परिष्कृत एवं व्याकरण के नियमों से कम जकड़ी हुई भाषा–लोकभाषा बोलचाल की भाषा थी। हिन्दी की जड़ें प्राचीन भारत की संस्कृत भाषा तक जातीं हैं परन्तु मध्ययुगीन भारत के अवधी, मागधी , अर्धमागधी तथा मारवाड़ी जैसी भाषाओं के साहित्य को हिन्दी का आरम्भिक साहित्य माना जाता हैं। हिन्दी साहित्य ने अपनी शुरुआत लोकभाषा कविता के माध्यम से की और गद्य का विकास बहुत बाद में हुआ। हिन्दी का आरम्भिक साहित्य अपभ्रंश में मिलता है। हिन्दी में तीन प्रकार का साहित्य मिलता है– गद्य, पद्य और चम्पू।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक 18.03.2024

समय – 04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

रिसोर्स पर्सन – डॉ. कार्तिक पनिक्कर प्रो.विभागाध्यक्ष इंग्लिश जे. एम.पटेल कालेज भण्डारा

रिपोर्टर –

चतुर्थ सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ. कार्तिक ज्ञानपीठ विजेता विजेता और बेस्ट सेलिंग लेखक अमिताभ घोष के महामारी के दौरान एक नई किताब द लिविंग माउंटेन लिखी है। यह किताब इस बारे में कहानी है कि कैसे वर्ष से मनुष्य ने प्रकृति का दोहन किया जिससे पर्यावरण संकट पैदा हो रहा है। लिविंग माउंटेन और पहाड़ के पास रहने वाले निवासियों की कहानी है आपाद तब सामने आती है। जब मनुष्य उद्देश्य के लिए पहाड़ पर हमला करता है साथ में बेंगलुरु जैसे बड़ी सिटी में आज पानी की समस्या हो रही है। इसका कारण कर्ता मनुष्य है। मनुष्य के प्रकृति के बारे में अपर्याप्त समझ और प्रकृति प्राकृतिक संसाधनों के दोहन उपयोग और दोहन के अट मानवीय प्रयास के कारण आज संबंध समस्या मृत हो गया है। बहुत सरल रूप से इस कहानी के जरिए मनुष्य जीवन आज की स्थिति को लेकर सरल रूप से जानकारी दी।

Day 11
19.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक 19.03.2024

समय –10:30 से 12:00

सत्र –प्रथम

विषय – भाषा का स्वरूप

चेयर पर्सन –आस्था सिजारिया

रिसोर्स पर्सन – डॉ. शैल शर्मा

रिपोर्टर – डॉ. हितेश्वरी रावटे

" भाषा यादृच्छिक मौखिक प्रतीकों की व्यवस्था है जिसके द्वारा उस भाषाई समुदाय के लोग परस्पर विचारों का आदान – प्रदान एवं सहयोग करते हैं। " ये प्रतीक मौखिक अथवा वाचिक है। ये प्रतीक यादृच्छिक है।भाषा परस्पर विचार विनिमय एवं सामाजिक क्रियाकलाप का साधन है। इन पाँच बातों में प्रथम चार का सम्बन्ध भाषा की रचना एवं उसमें अंतर्भूत तत्त्वों से है और पाँचवीं बात का सम्बन्ध भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता एवं उसके महत्त्व से है। भाषा शिक्षण की दृष्टि से इन पर पृथक् पृथक् विचार कर लेना अधिक समीचीन होगा। राम चरित मानस पर जानकारी प्रदान की गई।

Session II (12:15 to 13:45)

दिनॉक –19.03.2024

समय –12:15 से 01:30

सत्र –द्वितीय

विषय – हिंदी, भाषा की अवाचिक भाषा

चेयर पर्सन – आस्था सिजारिया

रिसोर्स पर्सन – डॉ. गीता नायक

रिपोर्टर – डॉ.हितेश्वरी रावटे

डॉ. गीता नायक द्वारा शब्द एवं अर्थ को बताया गया तथा आवाचिक शब्द का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। अवाचिक संचार वह माना जाता है जिसमें विचारों भावनाओं अभिव्यक्तियों को बिना शब्दों के प्रयोग से व्यक्त किया जाता है । इसे अवाचिक संचार कहते हैं। प्रारंभ में जब मानव सभ्यता में शब्दों की खोज नहीं की थी उस समय भी व्यक्ति अपने संदेशों का आदान प्रदान संकेत एवं चिन्हों के माध्यम से करता था। वह भावुक विचार संदेश जो हजारों शब्दों के द्वारा भी संप्रेषित नहीं हो पाता, वह मात्र संकेत चिह्न , भाव –भंगिमा के द्वारा कुछ पलों में ही संचारित किया जा सकता है।

Session III (14:15 to 15:45)

दिनॉक –19.03.2024

समय –02:15 से 03:45

सत्र –तृतीय

विषय – साहित्य और संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बदलता चेहरा

चेयर पर्सन – आस्था सिजारिया

रिसोर्स पर्सन – प्रो.कृष्ण मोहन पांडेय

रिपोर्टर – डॉ.हितेश्वरी रावटे

प्रो.कृष्ण मोहन पांडेय ने बताया कि साहित्य की आधूनिकता, वास्तविकता एवं संस्कृति के गुणों की व्याख्या की गई। आज भी संवेदनशील और संवेदनहीन मनुष्य हमेशा थे, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे। हम किसी एक घटना या कुछ घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में ऐसी टिप्पणियाँ करते हैं जिनका कोई महत्व नहीं होता। जैसा समाज वैसा साहित्य और जैसा साहित्य वैसा समाज। वस्तुतः साहित्य अनगिनत रचनाओं जो समाज के विविध अच्छे–बुरे पक्षों को समाहित होता है साहित्य समाज से अप्रभावित होते भी समाज को प्रभावित करता है। यह प्रक्रिया निरन्तर चलती है, किसी के रोके न तो रोकेगी, न किसी के कहने से तीव्र होगी।

Session IV (16:00 to 17:30)

दिनॉक –19.03.2024

समय –04:00 से 05:30

सत्र – चतुर्थ

विषय – सत्र समाप्ति परीक्षा

चेयर पर्सन – आस्था सिजारिया

रिसोर्स पर्सन – डॉ. बृजेन्द्र पांडेय

रिपोर्टर – डॉ.हितेश्वरी रावटे

इस सत्र में सभी प्रतिभागियों के लिए एक वस्तुनिष्ठ परिक्षा आयोजित किया गया था जिसके माध्यम से प्रतिभागियों के अध्ययन का मूल्यांकन किया जा सके जिसमें समस्त प्रतिभागी शामिल हुए व परीक्षा में सफलता प्राप्त किए।

Day 12
20.03.2024

Session I (10.30-12.00)

दिनॉक 20.03.2024

समय – 10:30 से 12:00

सत्र – प्रथम

विषय – साहित्य शिक्षण में समस्याएँ

चेयर पर्सन –

रिसोर्स पर्सन –डॉ. मधु कामरा विभागाध्यक्ष दुर्गा महाविद्यालय रायपुर

रिपोर्टर –

डॉ. मधु कामरा ने बताया कि साहित्य का शिक्षण करते समय तथ्यों और विचारों को प्रस्तुत किया जाता है । साहित्य का अध्ययन करने से व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ– साथ शब्द भण्डार में भी वृद्धि होती है । साहित्य की व्यापकता की सबसे बड़ी चुनौति है वर्तमान शिक्षा में अल्प समय में इसका ज्ञान करा पाना एक चुनौति है साथ ही अलग –अलग विधा है जिसके कारण परस्पर समस्त विधाओं में सभी की रूचि हो पाना संभव नही है। विद्यार्थियों को साहित्य के साथ–साथ व्याकरण का भी सामान्य ज्ञान कराया जाना आवश्यक है।

Session II (12:15 to 13:45)

VALEDICTORY CEREMONY

The valedictory function of two-week Online Refresher Course started by Dr. Brijendra Pandey Coordinator from the MMTTC by welcoming all. He congratulated everyone for successful completion of the course. Prof. Shail Sharma in him address thanked and congratulated all the participants for successful completion of the course. He also thanked all the speakers for their valuable time and efforts. Feedback about each resource person as well as about the whole course was obtained from all the participants which revealed that the participants were fully satisfied with the design, organization, conduct and content of the course. Prof Sachchidanand Shukla, Hon'ble Vice-Chancellor thanked all the Course Coordinator and Director, MMTTC for their efforts in making this programme a success in his valedictory address. She wished all the participants best of luck in all their future endeavours. The session ended by vote of thanks by Dr. Brijendra Pandey.

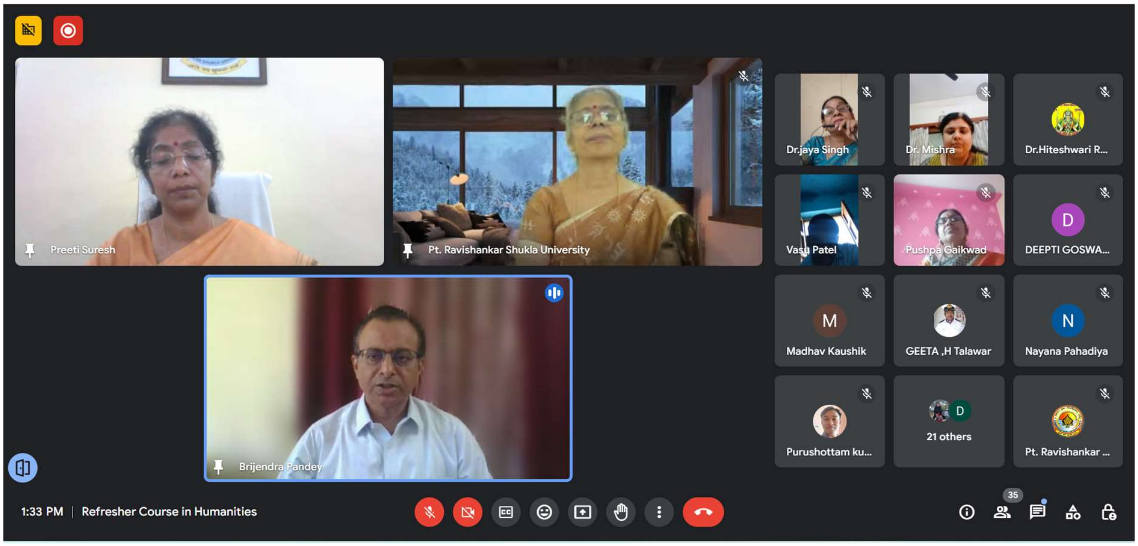

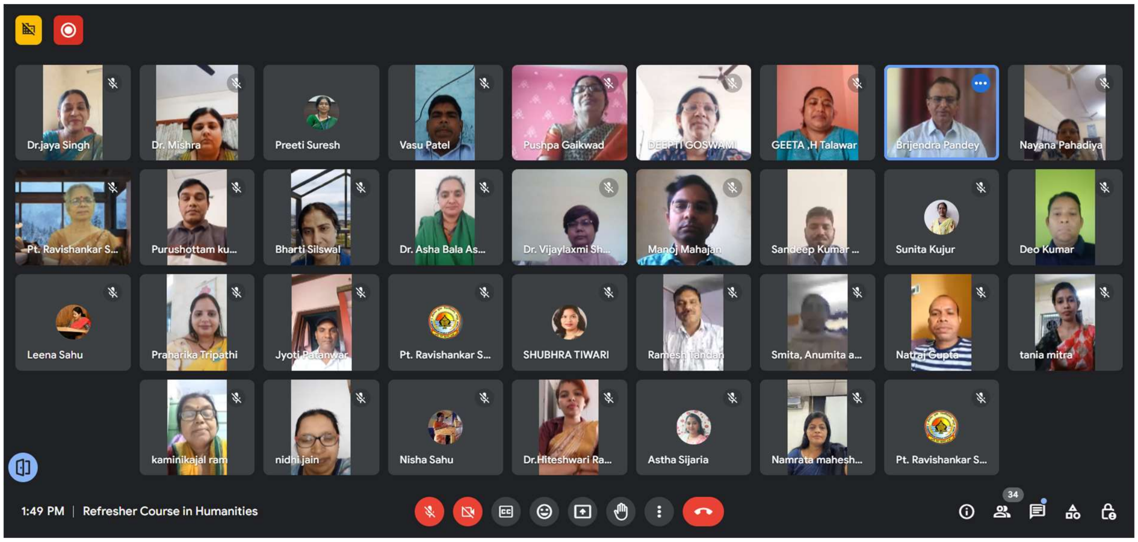

UGC-Malaviya Mission Teacher Training Centre
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (CG)
Refresher Course - Humanities
(05.03.2024 to 20.03.2024)
List of Participants

Sr. No.	Name Of Participants	Email	Mobile No.	Designation	Subject	College	University
01.	Nidhi Jain	njhabak1981@gmail.com	9399816914	Assistant Professor	Hindi	Govt. Model Residential Girls College, Kondagaon, (C.G.)	Saheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar, Jagdalpur, (C.G.)
02.	Dharmendra Kumar Patanwar	dharmendrapatanwar47579@gmail.com	8319794088	Assistant Professor	Hindi	Government Indrawati College, Bhopalpatnam, Bijapur, (C.G.)	Saheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar, Jagdalpur, (C.G.)
03.	Jaya Singh	dr.jayasingh71@gmail.com	7000356538	Associate Professor	Hindi	The ICFAI University, Raipur, (C.G.)	
04.	Dr. Vijaylaxmi Shastri	vlshastricg@gmail.com	9009158799	Assistant Professor	Hindi	Rajeev Gandhi Govt. P.G. College, Ambikapur, Dist-Surguja, (C.G.)	Sant Gahira Guru Vishwavidyalay, Sarguja, Ambikapur, (C.G.)
05.	Natraj Gupta	natrajgupta.hindi@gmail.com	8759393165	Assistant Professor	Hindi	Nakshalbari College, Naxalbari, West Bengal	University of North Bengal, Siliguri, West Bengal
06.	Deo Kumar Damai	deokumarmaley@gmail.com	9775405225	Assistant Professor	Nepali	Nakshalbari College, Naxalbari, West Bengal	University of North Bengal, Siliguri, West Bengal
07.	Dr. Asha Bala	wbase4@gmail.com	9259738252	Assistant Professor	Mass Communication	Sri Guru Ram Rai University, Dehradun, Uttarakhand	
08.	Dr. Nidhi Mishra	redsonja2580@gmail.com	8815017150	Assistant Professor	English	Govind Sarang Govt. Law College, Bhatapara, (C.G.)	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)
09.	Dr. Sunita Kujur	sunitakujur894@gmail.com	9826669077	Assistant Professor	Hindi	Govt. College, Bargi, Jabalpur, (M.P.)	Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur, (M.P.)
10.	Dr. Ramesh Kumar Tandan	rameshktandan@gmail.com	9685671975	Assistant Professor	Hindi	Govt. Mahatma Gandhi P.G. College, Kharsia, (C.G.)	Shaheed Nandkumar Patel Vishwavidyalaya, Raigarh, (C.G.)
11.	Dr. Deepti Goswami	Deeptigoswami2511@Gmail.Com	9754809792	Assistant Professor	Hindi	Seth Phoolchand Agrawal Smriti College, Nawapara, Rajim, (C.G.)	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)
12	Namrata Maheshwari	Namrata97531@Gmail.Com	9753199177	Assistant Professor	B.Ed | Ba. | D.El.Ed.	Shambhavi School of Education, Dusherra, Raipur, (C.G.)	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)

Sr. No.	Name Of Participants	Email	Mobile No.	Designation	Subject	College	University
13.	Astha Sijaria	Asthasijaria@Gmail.Com	9827081930	Assistant Professor	Education	Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
14.	Dr. Sandeep Kumar Singh	Sandeeplu90@Gmail.Com	8765231081	Assistant Professor & Head	Hindi	Govt. Degree College, Bagaha, West Champaran, Bihar	B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, Bihar
15.	Vasudev Prasad Patel	Washu0891@Gmail.Com	9098976436	Assistant Professor	Hindi	Shaheed Veer Narayan Singh Govt. College, Jobi-Barra, Dist-Raigarh, (C.G.)	Shaheed Nandkumar Patel Vishwavidyalaya, Raigarh, (C.G.)
16.	Dr. Kamini Kajal Ram	Ramkaminikajal@Gmail.Com	7978031073	Assistant Professor	Education	Anandapur Anchalik Training College, Fakirpur, Keonjhar, Odisha	Dharanidhar University, Keonjhar, Odisha
17.	Purushottam Kumar Kabra	Bagbahrakabra@Gmail.Com	7987022010	Assistant Professor	Hindi	Shri Kuleshwar Mahadew Govt. College, Gobra Nawapara, (C.G.)	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)
18.	Dr. Geeta H Talawar	Talawargeeta@Gmail.Com	80734 84281	Assistant Professor	Hindi	Govt. Arts and Science College, Karwar, Karnataka	Karnatak University Dharwad
19.	Dr. Hiteshwari Ravte	Dr.Hiteshwari7@Gmail.Com	8269055308	Assistant Professor	Education	Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
20.	Dr. Manoj Eknath Mahajan	Mahajanmanoj2009@Gmail.Com	9657025288	Assistant Professor	Hindi	M.J. College, Jalgaon, (M.S.)	Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon, (M.S.)
21.	Tania Mitra	taniamitra31july@gmail.com	9691364371	Assistant Professor	English	Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya Durg, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
22.	Dr. Smita Sharma	Smitaanujsharma@gmail.com	9826115060	Assistant Professor	English	Center for Basic Science, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)	
23.	Nisha Sahu	Nishasahu3112@Gmail.Com	9770011277	Assistant Professor	Hindi	Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
24.	Dr. Leena Sahu	Leenasahu31dec@Gmail.Com	9827191853	Assistant Professor	Hindi	Mata Karma Arts Commerce and Science College, Gunderdehi, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
25.	Dr. Arti Pathak	Artipathak@Kalindi.Du.Ac.In	9584812608	Assistant Professor	Hindi	Kalindi College, New Delhi	University of Delhi, New Delhi
26.	Praharika Agnihotri	Tripathiprahar ika@Gmail.Com	8839451577	Assistant Professor	English	Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)

Sr. No.	Name Of Participants	Email	Mobile No.	Designation	Subject	College	University
27.	Dr. Bharti	Bhartisilswal @Yahoo.In	8279660449	Assistant Professor	English	Bharat Singh Rawat Govt. Degree College, Rikhnikhal, Pauri Garhwal, Uttarakhand	Sri Devi Suman Uttarakhand University, Uttarakhand
28.	Dr. Shubhra Tiwari	Subhraashishtiwari@Gmail.Com	9993736385	Assistant Professor	English	The ICFAI University, Raipur, (C.G.)	
29.	Dr. Asharani Dilliwar	Asharanidilliwar789@Gmail.Com	9179035034	Ass. Pro. Hindi	Hindi	Mata Karma Arts Commerce and Science College, Gunderdehi, (C.G.)	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, (C.G.)
30.	Dr. Pushpa Govindrao Gaikwad	Pushpag720@Gmail.Com	9423437565	Associate Professor	Hindi	Vai Dhunda Maharaj Degloorkar College, Degloor, Dist Nanded, (M.S.)	Swami Ramand Tirth Marathwada University, Nanded, (M.S.)
31.	Prof. Nayana Pahadiya	Jainaina80@Gmail.Com	9926833621	Asst. Professor	Education Department	Seth Phool Chand Agrawal Smriti College, Nawapara, Rajim, (C.G.)	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.)

Refresher Course- Humanities
(05.03.2024 to 20.03.2024)
Chairperson & Reporter List
Course Coordinator – Prof. Shail Sharma

Date	Chairperson	Reporter
05.03.2024	Nidhi Jain	Dr. Arti Pathak
06.03.2024	Dharmendra Kumar Patanwar	Dr. Vijaylaxmi Shastri
07.03.2024	Jaya Singh	Natraj Gupta
11.03.2024	Dr Smita Sharma	Deo Kumar Damai
12.03.2024	Dr. Arti Pathak	Dr. Asha Bala
13.03.2024	Dr.Shubhra Tiwari	Dr. Nidhi Mishra
14.03.2024	Dr.Sunita Kujur	Vasudev Prasad Patel
15.03.2024	Dr. Ramesh Kumar Tandan	Dr. Kamini Kajal Ram
16.03.2024	Dr. Deepti Goswami	Purushottam Kumar Kabra
18.03.2024	Namrata Maheshwari	Dr. Geeta H Talawar
19.03.2024	Astha Sijaria	Dr. Hiteshwari Ravte
20.03.2024	Dr. Sandeep Kumar Singh	Dr. Manoj Eknath Mahajan

UGC - MMTTC, PRSU, Raipur, Chhattisgarh

Tentative Time Table: Refresher Course (Humanities)

Course Coordinator: Prof. Shail Sharma

(05.03.2024 to 20.03.2024)

	Session -I (10:30 to 12:00)		Session –II (12:15 to 13:45)		Session -III (14:15 to 15:45)		Session –IV (16:00 to 17:30)
			First Week				
Day 01 (05/03/2024)	**Registration, Inauguration& Induction**	**TEA BREAK**	**Lecture 1** **Prof. K.L. Verma** Vice-Chancellor, Chhatrapati Shivaji Maharaj, University, Mumbai भाषाओं की विविधता की समस्या और चुनौतिया	**LUNCH BREAK**	**Lecture 2** **Dr. Chittaranjan Kar** Rtd. Professor, S.o.S. in Literature & Languages, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) भाषा साहित्य और संस्कति	**TEA BREAK**	**Lecture 3** **Prof. Rajeev Choudhary** Professor, S.o.S. in Physical Education, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)
Day 02 (06/03/2024)	**Lecture 4** **Shri Girish Pankaj** Journalist & Writer Editor, Sadbhawana Darpan, Raipur, (C.G.) साहित्य में मानव मूल्य		**Lecture 5** **Dr. Shushil Trivedi** Rtd. IAS, Shankar Nagar, Raipur, (C.G.) हिंदी नवजागरण और माधवराव सप्रे		**Lecture 6** **Dr. Shriram Parihar** Professor, Dept. of Hindi, Khandya, (M.P.) भाषा साहित्य और संस्कति		**Lecture 7** **Ashok Mishra** Film Writer, New Delhi
Day 03 (07/03/2024)	**Lecture 8** **Dr. Shankar Muni Ray** Head of Dept. Digvijay Mahavidyalaya, Rajnandgaon, (C.G.) भारतीय लोकसाहित्स की प्रकृति एवं अनुसंधान की समस्या.		**Lecture 9** **Prof. Ashok Pradhan** Professor, S.o.S. in Anthropology, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) जनकालीन भाषा		**Lecture 10** **Dr. Brijendra Pandey** Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur **Microteaching**		**Lecture 11** **Dr. Brijendra Pandey** Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur **Microteaching**
Day 04 (11/03/2024)	**Lecture 12** **Dr. Jaya Tiwari** Professor and Head, English, Govt. D.B. Girls P.G. College, Raipur, (C.G.) Mo:- 9424231575		**Lecture 13** **Shri Alok Chatterjee** EX. Director of Madhya Pradesh School of Drama, Bhopal, (M.P.) Mo:- 09329076880 Email – dostaalok@gmail.com		**Lecture 14** **Dr. Dilip Singh** Professor, Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak, (M.P.) Mo:- 08989105802		**Lecture 15** **Dr. J.C. Ajawani** Rtd. Professor, Devendra Nagar Girls College, Raipur, (C.G.)
Day 05 (12/03/2024)	**Lecture 16** **Dr. Param Lal Ahirwal** Kendriya Hindi Sansthan, Agra, (U.P.)		**Lecture 17** **Dr. Kavita Rastogi** Professor, Dept. of Linguistics, Lucknow University, Lucknow, (U.P.) Mo:- 9839241854		**Lecture 18** **Dr. Avadesh Kumar Shukla** Professor, Dept. of Hindi, Mahatma Gandhi International University, Wardha, (M.S.) Mo:- 09926394707/07887588732 Email – avadesh006@gmail.com		**Lecture 19** **Dr. Sudhir Sharma** Head of Dept. Hindi, Kalyan College, Bhilai, (C.G.) Mo:- 9425358748

Day	Session -I (10:30 to 12:00)		Session –II (12:15 to 13:45)		Session -III (14:15 to 15:45)		Session –IV (16:00 to 17:30)
Day 06 (13/03/2024)	**Lecture 20** **Dr. Supernasen Gupta** Rtd. Librarian, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) Mo:- 9425228456		**Lecture 21** **Dr. Supernasen Gupta** Rtd. Librarian, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) Mo:- 9425228456		**Seminar** **Dr. Brijendra Pandey** MMTTC, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)		**Seminar** **Dr. Brijendra Pandey** MMTTC, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)
Day 07 (14/03/2024)	**Lecture 22** **Dr. Shailendra Kumar Sharma** Professor& Head, Dept. of Hindi, Vikram University, Ujjain, (M.P.) Mo:- 09826047765 Email – shailendrasharma1966@gmail.com	**TEA Break**	**Lecture 23** **Dr. Arun Hota** Dept. of Hindi, West Bengal State University, Barasat, Kolkata, (W.B.) Mo:- 09434884339 Email – ahota5@gmail.com	**Lunch Break**	**Lecture 24** **Dr. Karuna Shankar R. Upadhyay** Professor& Head, Dept. of Hindi, University of Mumbai, Mumbai, (M.S.)	**TEA Break**	**Lecture 25** **Dr. A.K. Paliwal** Professor, Dept. of English, Govt. Hamidia College, Bhopal (M.P.)
Day 08 (15/03/2024)	**Lecture 24** **Dr. Ashok Thorat** Professor, Dept. of English, Institute of Advanced Studies in English recognized by and Affiliated to the University of Pune Mo:- 07888049405 Email – iasepune@yahoo.com		**Lecture 25** **Dr. Dinesh Kushwah** Professor& Head, APS University, Rewa, (M.P.) Mo:- 09425847022 Email – dineshapsu@gmail.com		**Project Presentation** **Prof. Shail Sharma** Professor & Head, S.o.S. in Literature and Languages, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)		**Project Presentation** **Prof. Shail Sharma** Professor & Head, S.o.S. in Literature and Languages, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)
Day 09 (16/03/2024)	**Lecture 26** **Shri Alok Chatterjee** EX. Director of Madhya Pradesh School of Drama, Bhopal, (M.P.) Mo:- 09329076880 Email – dostaalok@gmail.com		**Lecture 27** **Dr. Dinesh Nandini Pahihar** Professor, S.o.S. in Ancient Indian History Culture and Archaeology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.) Mo:- 9479207898 Email – dineshnandinip@gmail.com		**Lecture 28** **Prof. Arti Parganiha** Professor, S.o.S. in Life Science, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) Mo:- 9827159831 Email- artiparganiya@gmail.com		**Lecture 29** **Prof. Arti Parganiha** Professor, S.o.S. in Life Science, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.) Mo:- 9827159831 Email- artiparganiya@gmail.com

Day	Session -I (10:30 to 12:00)		Session –II (12:15 to 13:45)		Session -III (14:15 to 15:45)		Session –IV (16:00 to 17:30)
Day 10 (18/03/2024)	**Lecture 30** **Dr. Nand Kishor** Professor, Dept. of Hindi, University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan Mo:- 09997659658 Email – nkpandey65@gmail.com		**Lecture 31** **Dr. Rajan Yadav** Professor & Head, Dept. of Hindi, Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya		**Lecture 32** **Dr. Ramakant Pandey** Professor, Dept. of Sanskrit, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Bhopal, (M.P.)		**Lecture 33** **Dr. Karthik V.G.S. Panicker** Professor & Head, Dept. of English, J.M. Patel Arts, Commerce & Science College, Bhandara, (M.S.) Mo:- 09850239948/07184-252364 Email – karthikpanicker@gmail.com
Day 11 (19/03/2024)	**Lecture 34** **Prof. Shail Sharma** Professor & Head, S.o.S. in Literature and Languages, Pt. R.S.U. Raipur, (C.G.)		**Lecture 35** **Dr. Geeta Nayak** Professor, Dept. of Hindi, Vikram University, Ujjain		**Lecture 36** **Dr. Krishna Mohan Pandey** Professor, Dept. of English, BHU, Varanasi, (U.P.) Mo:- 9450871426		**MCQ Ending Test**
Day 12 (20/03/2024)	**Lecture 37** **Dr. Madhu Kamra** Head Former Principal, Durga Mahavidyalaya, Raipur, (C.G.) Mo:- 7024101095 Email –				**Valedictory & Concluding Session**		